

In view of these developments, the Minister for Health should make a statement on these issues.

(v) FLOODS IN KERALA.

SHRI A. A. RAHIM (Chirayinkil):
Mr. Speaker, Sir, I would like to bring to the notice of this House, the Prime Minister and the Finance Minister the havoc caused by the unprecedented floods in Kerala in the last fortnight. It has already claimed 42 human lives. Over 14,000 houses have been destroyed and over 22,000 damaged. Crop loss has been extensive. Eight of the eleven Districts of the State have been badly affected. The State Government have made a preliminary estimate of the loss at over Rs. 20 crores. They have already ordered some relief measures. Government of India should urgently consider extending interim Central assistance pending a final assessment by a Central Study team who may be sent to the State immediately.

12.26 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1980-81—contd.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS—Contd.

MR. SPEAKER: Now we start with the discussion on the demands of the Ministry of Home Affairs. Shri Sukhadia.

श्री मोहन लाल सुखाडिया (उदयपुर) : अध्यक्ष महोदय, जिस मांग पर हम यहां विचार कर रहे हैं वह देश के लिए बहुत महत्व रखती है। मैं समझता हूँ सभी इस बात को जानते हैं कि चाहे विकास का काम हो चाहे देश की रक्षा का सवाल हो, चाहे मनुष्य के शांति के साथ जीवन-यापन करने का प्रश्न हो यह अत्यन्त आवश्यक है कि देश के अन्दर कानून और व्यवस्था ठीक तौर से चले। आज सुबह के अखबारों में यह समाचार पढ़ने को मिले कि आसाम में जो आन्दोलन चल रहा था उसकी हेड लाइन्स थीं कि वह सस्पेंड किया गया। जब उसको बिस्तार से देखा तो ऐसा मालूम होता है कि एक तरह से यह पार्शियल सस्पेंशन है क्योंकि प्रेतीर से तो सस्पेंशन किया नहीं है। वहां से क्रूड

नहीं आने दिया जाएगा, ब्लाकैड जारी रहेगा, बैम्बू और टिम्बर वहां से नहीं आने दिया जाएगा, यह उन्होंने साथ ही में कहा है। इसका मतलब यही होता है कि पूर्ण रूप से नार्मलाइज करने की बात नहीं है। लेकिन मैं समझता हूँ फिर भी यह एक ठीक दिशा के अन्दर कदम उठाया गया है और इसके डीटेल्स में आशा करता हूँ कि प्रधान मंत्री जी और जो आसाम के आन्दोलन से सम्बन्धित व्यक्ति हैं वे मिल कर के निकालेंगे जिससे कि इस समस्या का हल निकाला जा सके। लेकिन आज के अखबार के अन्दर ही यह पढ़ करके भी आश्चर्य हुआ कि हमारे इसी सदन के माननीय सदस्य श्री जार्ज फर्नांडीज ने कहा कि इस आन्दोलन को चालू रखने के अन्दर श्रीमती इंदिरा गांधी की दिलचस्पी है और उनका वेस्टेड इन्टरेस्ट इस बात के अन्दर है कि यह आन्दोलन चालू रहे, किसी तरह से इसको समाप्त न किया जाय। यह पढ़ कर के आश्चर्य होता है कि आखिर आज देश के अन्दर जो हुकूमत चलाने वाली प्रधान मंत्री है उनकी क्या दिलचस्पी हो सकती है देश के एक सीमावर्ती प्रदेश के अन्दर इस प्रकार के आन्दोलन के चलने देने में जिसमें इन बातों के समाचार मिल रहे हैं कि कुछ विदेशी ताकतें भी इस आन्दोलन का लाभ उठाना चाहती हैं, कुछ साम्प्रदायिक ताकतें इस आन्दोलन को और दिशा के अन्दर ले जाने की कोशिश में लगी हुई हैं। मैं समझता हूँ कि इस प्रकार की बात करने और बार बार वहां जाकर लोगों से मिल जुल कर अपनी बात कहने से ऐसा संकेत होता है कि उनकी दिलचस्पी वास्तव में इसमें नहीं है कि यह आन्दोलन समाप्त हो बल्कि वह दोषारोपण करके चाहते हैं कि इसका राजनैतिक लाभ ज्यादा से ज्यादा उठायें। आज मैं समझता हूँ कि सारा देश इस बात को पसन्द करेगा कि इस आन्दोलन का शांतिपूर्ण हल निकले। मैं ऐसा मानकर के चलता हूँ कि अगर इस आन्दोलन से सम्बन्धित व्यक्ति साम्प्रदायिकता की भावनाओं को दूर रख करके और देश की एकता को सामने रखते हुए बातचीत करेंगे तो इसका हल निकलना कोई मुश्किल बात नहीं है। निश्चित तौर से इसका हल निकल सकता है। लेकिन बातचीत के अन्दर अगर साम्प्रदायिकता का पुट रहेगा या बातचीत के अन्दर पीछे से कुछ विदेशी ताकतें यह काम करती रहेंगी कि बातचीत सफल नहीं हो पाए तो आज कह नहीं सकते कि इसका क्या परिणाम होगा। मेरा कहना है कि अगर उनको खुद को राष्ट्र के हित में देखने और राष्ट्र की प्रगति की दृष्टि से सोचने और फैसला करने के लिये छोड़ा जाएगा तो इसका हल निकले, सभी इस बात को पसंद करेंगे। कुछ दिनों पहले मैं राजस्थान गया तो जयपुर के अन्दर जो रामनिवास बाग है उसके अन्दर लिखा हुआ था आसाम बचाओ, विदेशियों को देश से निकालो, उदयपुर के चारों तरफ दीवारें जैसे घुनाव चल रहा ही